Kaisi Majbooriyaan Shyam Ye Dooriyan Bhajan Lyrics in Hindi English

Kaise Majbooriyaan Shyam Ye Dooriyan Bhajan Lyrics in Hindi

कैसी मजबूरियां श्याम ये दूरियां,
तूने मुझसे बनाई बता तो जरा,
मैं भी हूँ वही तू भी है वही,
फिर क्यों नजरे चुराई बता तो जरा,
कैसी मजबूरियां श्याम ये दूरियां।।

जब मैं पहले तेरे द्वार आता था श्याम,
तू मुझे देखकर मुस्कुराता था श्याम,
तू मुझे देखकर मुस्कुराता था श्याम,
क्या खता हो गई क्या वजह हो गई,
क्या खता हो गई क्या वजह हो गई,
फिर क्यों पलकें झुकाई बता तो जरा,
कैसी मजबूरियां श्याम ये दूरियां।।

लाख कोशिश भी की तू नहीं मानता,
क्यों खफा है मोहन दिल नहीं जानता,
क्यों खफा है मोहन दिल नहीं जानता,
अब बोल भी दे लब खोल भी दे,
अब बोल भी दे लब खोल भी दे,
क्यों यह धड़कन बढ़ाई बता तो जरा,
कैसी मजबूरियां श्याम ये दूरियां।।

'सतविंदर' को क्यों दे रहा है सजा,
मैं पिघल जाऊंगा ना मुझे आजमा,
मैं पिघल जाऊंगा ना मुझे आजमा,
अश्क गिर जाएंगे और बिखर जाएंगे,

अश्क गिर जाएंगे और बिखर जाएंगे,
क्यों ये आंखें रुलाई बता तो जरा,
कैसी मजबूरियां श्याम ये दूरियां।।

कैसी मजबूरियां श्याम ये दूरियां,
तूने मुझसे बनाई बता तो जरा,
मैं भी हूँ वही तू भी है वही,
फिर क्यों नजरे चुराई बता तो जरा,
कैसी मजबूरियां श्याम ये दूरियां।।

Kaise Majbooriyaan Shyam Ye Dooriyan Bhajan Lyrics in English

Kaise majbooriyaan Shyam ye dooriyan,
Tune mujhse banayi bata to zara,
Main bhi hoon wahi tu bhi hai wahi,
Phir kyon nazre churaayi bata to zara,
Kaise majbooriyaan Shyam ye dooriyan.

Jab main pehle tere dwaare aata tha Shyam,
Tu mujhe dekhkar muskurata tha Shyam,
Tu mujhe dekhkar muskurata tha Shyam,
Kya khata ho gayi kya wajah ho gayi,
Kya khata ho gayi kya wajah ho gayi,
Phir kyon palken jhukayi bata to zara,
Kaise majbooriyaan Shyam ye dooriyan.

Laakh koshish bhi ki tu nahi maanta,
Kyon khafa hai Mohan dil nahi jaanta,
Kyon khafa hai Mohan dil nahi jaanta,
Ab bol bhi de lab khol bhi de,
Ab bol bhi de lab khol bhi de,
Kyon yeh dhadkan badhai bata to zara,
Kaise majbooriyaan Shyam ye dooriyan.

‘Satvinder’ ko kyon de raha hai saza,
Main pighal jaunga na mujhe aazma,
Main pighal jaunga na mujhe aazma,

Ashk gir jaayenge aur bikhra jaayenge,
Ashk gir jaayenge aur bikhra jaayenge,
Kyon yeh aankhein rulayi bata to zara,
Kaise majbooriyaan Shyam ye dooriyan.

Kaise majbooriyaan Shyam ye dooriyan,
Tune mujhse banayi bata to zara,
Main bhi hoon wahi tu bhi hai wahi,
Phir kyon nazre churaayi bata to zara,
Kaise majbooriyaan Shyam ye dooriyan.

About “Kaise Majbooriyaan Shyam Ye Dooriyan” Bhajan in English:

“Kaise Majbooriyaan Shyam Ye Dooriyan” is an emotional and devotional bhajan in which the devotee expresses a deep sense of longing and sorrow towards Lord Shyam (Lord Krishna). The bhajan highlights the emotional turmoil of the devotee who feels a sense of distance from the Lord, even though both the devotee and Lord Krishna are unchanged in their devotion. The repeated plea in the song, “Bata to zara” (tell me why), reflects the devotee’s confusion and desire for answers, as they seek to understand why they are feeling separated from the divine despite their unwavering devotion.

The bhajan speaks of the past when the devotee was greeted by Krishna’s smile, emphasizing a time of closeness, but now the devotee feels a disconnect. The lyrics also express the devotee’s yearning for Krishna to acknowledge their feelings, asking why the divine seems distant despite the devotee’s deep affection. The song also references personal pain, symbolized by tears, which are a metaphor for the heartache caused by the perceived separation from Lord Krishna.

This bhajan is a heartfelt expression of longing, faith, and a deep

emotional bond with Krishna, reflecting the devotion and the emotional struggle of the devotee.

About “Kaise Majbooriyaan Shyam Ye Dooriyan” Bhajan in Hindi:

“कैसी मजबूरियां श्याम ये दूरियां” एक भावपूर्ण भक्ति भजन है जिसमें भक्त भगवान श्याम (कृष्ण) से अपनी दूरी और तड़प का वर्णन करता है। भजन में भक्त भगवान कृष्ण से पूछता है कि जब वह पहले उनके पास आते थे तो भगवान उन्हें मुस्कुराकर मिलते थे, लेकिन अब क्यों ऐसा महसूस हो रहा है कि भगवान उनसे दूर हो गए हैं। यह भजन भक्त के दिल की गहरी पीड़ा और भगवान कृष्ण से मिलने की तड़प को व्यक्त करता है।

भजन में भक्त यह समझने की कोशिश करता है कि भगवान कृष्ण से कोई गलती या कारण तो नहीं हुआ जिससे वह दूर हो गए हैं, और वह भगवान से उनके दिल की बात साझा करने की उम्मीद करता है। भजन का एक अहम हिस्सा भक्त की भावनाओं को व्यक्त करता है, जिसमें वह भगवान से दूर होने के बावजूद भगवान कृष्ण के प्रति अपनी निष्ठा और प्रेम को दर्शाता है।

यह भजन भगवान कृष्ण से गहरे भावनात्मक संबंध और निष्ठा का प्रतीक है, और भक्त की इस तड़प को व्यक्त करता है कि वह फिर से भगवान कृष्ण के पास आकर उनके दर्शन प्राप्त करना चाहता है।